प्रतिबिम्ब

(NEWS LETTER)

कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

KMGGPGC

Vol.7/ Issue 1/July 2024-Sept. 2024

NAAC IInd Cycle : B++ (2.91)
Certified : ISO 9001-2015

प्राचार्या की कलम से

हमारी भारतीय टीम हाल में ही संपन्न हुए पेरिस ओलंपिक खेलों में प्रतिभाग करके अपने खट्टे-मीठे अनुभवों के साथ भारत वापस आ चुकी है। हार-जीत जीवन के अभिन्न पहलू हैं । यह कहा जाता है कि जीत की खुशी से हमारे प्रदर्शन में गिरावट नहीं आनी चाहिए, वहीं दूसरी ओर हार से निराश होकर हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। चार वर्षों में एक बार विश्व के किसी एक देश में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों का लक्ष्य विश्व के युवाओं को किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना, खेल के माध्यम से शिक्षित करके एक शांतिपूर्ण व बेहतर विश्व के निर्माण में योगदान देना है। जिसके लिए मैत्री, एकजुटता और निष्पक्ष खेल भावना के साथ आपसी भाईचारे की आवश्यकता होती है । ओलंपिज़्म जीवन का एक दर्शन है, जो शरीर, इच्छा और मन के गुणों को संतुलित रूप से बढ़ाता और जोड़ता है। हमें जोड़ने वाली चीज विभाजित करने वाली चीजों से कहीं अधिक है, इस बात पर बल देता है। ओलंपिक चार्टर में व्यक्त ओलंपिज़्म के मूल मूल्य थे- "प्रयास को प्रोत्साहित करना, मानव गरिमा को संरक्षित करना और सद्भाव को विकसित करना"। खेलों के यह मूल मंत्र जीवन के मूल मंत्र भी हैं। जो समय प्रबंधन, कड़ी मेहनत, अनुशासन, सद्भाव, आत्मसम्मान व देशप्रेम का पाठ अपने अंदर समाहित करते हैं। आज के युवा वर्ग को इन मूल्यों की नितान्त आवश्यकता है। कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर छात्र-छात्राओं को हार-जीत में समभाव रहने का मूल मंत्र सिखाते हुए उन्हें नित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित करता है। उन्हें सीखने की अनंत संभावनाएं उपलब्ध कराकर उनकी सर्वांगीण प्रगति की राह विनिर्मित करता है। उनके अंदर उत्तम नागरिक के गुणों का आरोपण करने का प्रयास करता है। "राष्ट्र हित सर्वोपरि हैं" ।

प्रो.(डा.) दिव्या नाथ

वृहद वृक्षारोपण अभियान

महाविद्यालय द्वारा दिनांक 20 जुलाई 2024 को वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ ने गौतम बुद्ध ज़िले के नोडल ऑफ़िसर के रूप में विभिन्न महाविद्यालयों में पौधारोपण का कार्य सम्पन्न करवाया। गौतमबुद्ध नगर के उच्च शिक्षा विभाग को 22000 पौधे रोपित करने के लिए आवंटित किए गए थे । उच्च शिक्षा ज़िला गौतम बुद्ध नगर ने निर्धारित लक्ष्य को समय से पूर्ण किया। महाविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रकार के पौधे जैसे जामुन ,अमरुद ,अर्जुन की छाल साथ ही फूलो वाले पौधे जैसे बॉटल ब्रश, कनेर, कचनार भी रोपित किए गए । सम्पूर्ण कार्यक्रम प्राचार्य महोदया के निर्देशन एवं महाविद्यालय की इको क्लब सदस्य एवं NCC प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा देवी, डॉ. अपेक्षा तिवारी , रेंजर्स प्रभारी डॉ. बॉबी यादव , डॉ. भावना यादव एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की छात्राओं ने अपने घर और आस पास के क्षेत्रों मे पौधारोपण किया और वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाया।

"Career Progression in Toxicology " विषय पर प्रसार व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के तत्वावधान में दिनांक 9 जुलाई 2024 को प्रसार व्याख्यान "Career Progression in Toxicology " का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विभागाध्यक्ष प्रो० दिनेश चंद शर्मा द्वारा प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ को पादप प्रदान कर हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० यशवेंद्र वर्मा, असि० प्रो० जंतु विज्ञान, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा उपस्थित छात्राओं को विषय से सम्बंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। टॉक्सिकोलॉजी के वर्तमान समय में बढ़ते हुए महत्त्व व उपयोगिता के बारे में बताया। आज के समय में हानिकारक रसायन हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं एवं विभिन्न प्रकार से बीमारियों का कारण बन रहे हैं। इससे सम्बंधित रोजगार के अवसरों के बारे में मुख्य वक्ता द्वारा विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी, साथ ही छात्राओं के प्रश्नों व जिज्ञासाओं का भी समुचित समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीतू सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर जंतु विज्ञान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एम० एस० सी० एवं बी० एस० सी० की छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर श्री अभिषेक, असिस्टेंट प्रोफेसर जंतु विज्ञान द्वारा मुख्य अतिथि तथा उपस्थित प्रवक्ताओं का आभार प्रेषित किया गया।

सम्पादिका की कलम से

सृष्टि के प्रारंभ से ही विविधता सृष्टि की सर्वप्रमुख विशेषता है। इसलिए जड़-चेतन रूप संसार में एक समान कुछ भी नहीं है। यही विविधता सृष्टि के सौंदर्य का कारण है। वास्तव में सौंदर्य का प्रस्फुटन विविधता से होता है। जीवन की गतिशीलता का आधार भी विविधता है। विविधता ही आनंद की प्रसविनी है, इसलिए जीवन का वास्तविक रस विविधता से ही मिलता है । सृजन के मूल में ही विविधता रही है, किंतु विविधता में एकता जीवन का सत्य है तथा यह भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर विशेषता भी है। तरह-तरह के फूलों वाली बगिया के सौंदर्य की तरह, सात रंगों से बने इंद्रधनुष की सतरंगी आभा की तरह, मूंगा पन्ना और मोती की माला की बहुमूल्यता के समान, महाविद्यालय के विविध क्रियाकलाप विविधता में एकता के आकर्षण को स्वयं में समाहित किए महाविद्यालय गुणवत्ता और छात्र हित को सुनिश्चित करने में निरंतर कटिबद्ध है। 'अंतः अस्ति प्रारंभः' विगत सत्र के अंत के साथ नवीन सत्र का शुभारंभ हो चुका है। महाविद्यालय नई ऊर्जा के साथ उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छूने हेतु निरंतर प्रयासरत है। जिसका निदर्शन न्यूज लेटर प्रतिबिंब के वर्तमान अंक में सहज रूप से किया जा सकता है । "यद्भावम् तद् भवति"।

प्रो.(डॉ.) दीप्ति वाजपेयी

महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की तृतीय बैठक संपन्न

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर में सत्र 2023-24 की IQAC III Meet प्राचार्या के निर्देशन में IQAC के समस्त बाह्य एवं आन्तरिक पदाधिकारियों के साथ दिनांक 31 जुलाई , 2024 को संपन्न हुई। प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ, अध्यक्ष IQAC ने सर्वप्रथम सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस क्रम में उन्होंने सर्वप्रथम शासन प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर मोनिका सिंह , अकादमिक प्रतिनिधि डॉ एम.एम शेरी डायरेक्टर ट्रिपल आईटी लखनऊ, डॉ राजीव नयन रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विवि, डॉ बिंदु शर्मा , प्रो सी.सी.एस यूनिवर्सिटी मेरठ, डॉ पारुल सक्सेना, शारदा विश्वविद्यालय,इंड्रस्टी प्रतिनिधि श्री आदित्य हॉलैंड ट्रैक्टर, डॉ जितेंद्र गुप्ता अपोलो अस्पताल, NGO प्रतिनिधि स्पंदन संस्था , अभिभावकगण,पुरातन एवं वर्तमान छात्रा प्रतिनिधि का बैठक में स्वागत करते हुए IQAC बैठक के उद्देश्य एवं कार्य विधि से सबको अवगत कराया। तत्पश्चात IQAC प्रभारी प्रोफेसर (डॉ)दीप्ति वाजपेयी द्वारा सदन को विगत बैठक में निर्धारित किए गए एजेंडा की Action Taken Report प्रस्तुत की गई तथा महाविद्यालय की अन्य उपलब्धियों से सदन को परिचित कराया। उपलब्धियों के प्रभावी पीपीटी प्रस्तुतीकरण के पश्चात वर्तमान एजेंडे को सभी पदाधिकारियों के सम्मुख स्पष्ट किया। अन्य उपलब्धियों के साथ साथ पुरातन छात्रा संघ का विधिवत रजिस्ट्रेशन और प्रमाण पत्र का प्राप्त होना तथा शासन की NATS योजना के तहत महाविद्यालय की 3 छात्राओं का प्रशिक्षु रूप चयनित होकर 9000 का stipend प्राप्त करना जानकर सभी ने करतल ध्वनि के साथ महाविद्यालय प्रयासों की प्रशंसा की।

सभी पदाधिकारियों ने महाविद्यालय गुणवत्ता संवर्धन हेतु अपने अपने सुझाव दिए, जिसमें Animal Ethical committee का गठन, feedback analysis, Enargy Audit, Indrasty Training आदि प्रमुख थे । इसके साथ ही सभी बाह्य पदाधिकारियों द्वारा छात्रा हित में किए जा रहे महाविद्यालय प्रयासों की एक मत से प्रशंसा की गई । क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर मोनिका सिंह ने कहा कि महाविद्यालय अपने सामूहिक प्रयासों से गुणवत्ता के नित नए आयाम बना रहा है। इसके लिए प्राचार्य और समस्त स्टॉफ बधाई का पात्र है ।

अंत में IQAC Coordinator प्रो. दीप्ति वाजपेयी द्वारा सदन को धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक का समापन किया गया।

बैठक के आयोजन में IQAC के समस्त आंतरिक पदाधिकारीगण प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा , प्रो. किशोर कुमार, प्रो. शिवानी वर्मा, लेफ्टी. डॉ मीनाक्षी लोहानी , डॉ अरविन्द कुमार यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा और इनके सहयोग एवं प्रयासों के फलस्वरूप IQAC बैठक अपने उद्देश्यों में सफल रही।

नशा मुक्त भारत अभियान

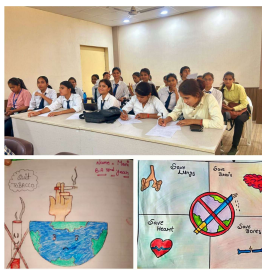

महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में मुख्य शास्ता डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसमे छात्राओं ने तम्बाकू के दुष्परिणामों को दर्शाने वाले आकर्षक पोस्टर निर्मित किए। इसकी अगली श्रृंखला में डॉ. आशा रानी द्वारा तंबाकू के दुष्परिणामों के विषय में छात्राओं से विस्तार से चर्चा की गई । डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने छात्राओं से तंबाकू सेवन न करने और परिवारीयजनों को भी तंबाकू सेवन से रोकने का आह्वान किया तथा छात्राओं ने तंबाकू सेवन न करने की शपथ ली और जागरूकता रैली के माध्यम से ग्राम बादलपुर निवासियों को तंबाकू के दुष्प्रभाव से परिचित कराया। तंबाकू के विषय में छात्राओं को और जागरूक करने के उद्देश्य से डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन कराया गया। छात्राओं के साथ साथ प्राध्यापकों ने भी तंबाकू सेवन न करने की शपथ ली।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के दिशा निर्देशन में,महाविद्यालय इतिहास विभाग द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन (9 अगस्त 1925) शताब्दी समारोह के अंतर्गत 9 अगस्त 2024 से 14 अगस्त 2024 के मध्य जनपद स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम 10 अगस्त 2024 एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'काकोरी ट्रेन एक्शन भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में था ।कार्यक्रम में वक्ताओं ने काकोरी ट्रेन एक्शन को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में रेखांकित किया तथा अमर शहीद क्रांतिकारियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इन्हीं कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 14 अगस्त 2024 को महाविद्यालय में जनपद स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उपरोक्त सभी कार्यक्रम महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराये गए, जिसमें विभाग प्रभारी डॉ. आशा रानी, डॉ. निधि रायजादा, डॉ अनीता सिंह, डॉ किशोर कुमार, श्री अरविंद सिंह, श्री बसंत कुमार का विशेष सहयोग रहा । साथ ही महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का आयोजन में सक्रिय योगदान रहा।

"Building a Pathway to Success: Strategies for 3rd Cycle NAAC Accreditation" विषय पर कार्यशाला आयोजित

दिनांक 09 अगस्त 2024 को महाविद्यालय में IQAC तथा नैक समिति एवं Center for Research in Schemes and Policies (CRISP) के संयुक्त तत्वावधान में "Building a Pathway to Success: Strategies for 3rd Cycle NAAC Accreditation " विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में श्रीमती मोनिका एस गर्ग, आईएएस,अपर मुख्य सचिव,अल्पसंख्यक विकास एवं मुस्लिम वक़्फ़ विभाग,उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सार्थकता प्रदान की । कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। प्राचार्या प्रो. (डॉ) दिव्या नाथ ने श्रीमती मोनिका एस गर्ग, आई.ए.एस,अपर मुख्य सचिव के सौम्य एव अत्यंत प्रभावशाली व्यक्तित्व का परिचय देते हुए मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया एवं महाविद्यालय की उपलब्धियों और गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। नैक कॉर्डिनेटर प्रो दिनेश चंद शर्मा ने महाविद्यालय की नैक टीम की कार्यप्रणाली से संबंधित पीपीटी के माध्यम से महाविद्यालय की उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया । मुख्य अतिथि ने अपने सारगर्भित संवाद के माध्यम से महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्य अतिथि ने सूक्ष्म बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि कोई भी महाविद्यालय नैक के परिवर्तित माध्यम से ग्रेड पाना चाहता है तो प्राध्यापकों को अपने कार्यों के परिणाम पर ध्यान केंद्रित करना होगा एव नवाचार की प्रवृति को विकसित करना होगा। उल्लेखीय है कि श्रीमती मोनिका एस. गर्ग ने महाविद्यालय को NAAC IIIrd cycle में उत्तम ग्रेड दिलवाने हेतु गोद लिया है और वह महाविद्यालय की Naac Mentor बन गई है । इसके पश्चात विषय विशेषज्ञ कु. दिव्या मालाकर , (Fallow CRISP)ने पीपीटी के माध्यम से नैक के पूर्व ग्रेडिंग सिस्टम एवं वर्तमान बाइनरी (द्विआधारी) एक्रेडिटेशन का विस्तृत तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया तथा नैक के परिवर्तित दस एट्रिब्यूट्स के विषय में सार्थक जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का सफल संचालन आई.क्यू.ए.सी प्रभारी प्रो. दीप्ति वाजपेयी के द्वारा किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से प्राप्त पत्र के निर्देशानुसार 14 अगस्त 2024 को महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया की अध्यक्षता में इतिहास विभाग द्वारा "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" का आयोजन किया गया। इस आयोजन में इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री अरविंद सिंह द्वारा विभाजन विभीषिका के ऊपर महत्वपूर्ण प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि जहां एक ओर भारतीयों को अंग्रेजी राज्य से स्वतंत्र होने की प्रसन्नता थी वही दूसरी तरफ भारत के विभाजन ने प्रत्येक भारतीय के हृदय को झकझोर दिया। उनके द्वारा भारत विभाजन के कारकों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही इतिहास विभाग के अंतर्गत महाविद्यालय की छात्रों को भारतीय विभाजन के परिप्रेक्ष्य में भीष्म साहनी के कालजयी उपन्यास पर आधारित फिल्म 'तमस ' दिखाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर दिव्या नाथ, इतिहास विभाग के सभी प्राध्यापक प्रोफेसर आशा रानी, प्रोफेसर निधि रायजादा ,प्रोफेसर अनीता सिंह, श्री बसंत कुमार सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

दिनांक 15 अगस्त 2024 को देश की आज़ादी के लिए अपनी जान क़ुर्बान करने वाले शहीदों को समर्पित 78वें स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व को महाविद्यालय में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ पारम्परिक रूप से आयोजित किया गया । सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा हरित एव फूलों से सुसज्जित प्रांगण में समस्त शिक्षकों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया । राष्ट्रगान के स्वर एवं वन्दे मातरम् के नारों ने वातावरण को देशभक्ति से तरंगित कर दिया। तत्पश्चात् डॉ. ममता सागर द्वारा माननीय शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा के लिखित संदेश का वाचन किया गया । डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में छात्राओं द्वारा झंडा गीत एवं देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये गये । प्राचार्या महोदया ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आज़ादी के इतिहास पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए युवा पीढ़ी के लिए अमूल्य संदेश प्रदान किया । उन्होंने कहा कि वर्तमान युवा शक्ति ऊर्जा और साहस से परिपूर्ण है, लेकिन उस ऊर्जा को एक सही दिशा निर्देशन की आवश्यकता है। यदि हम अपने लक्ष्य से ना डिगें, तो भारतवर्ष को विश्व की सर्वशक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता।लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी के निर्देशन में एनसीसी कैडेट्स ने एक तिरंगा रैली का आयोजन किया, जिसने प्राचार्य एव प्राध्यापकों ने पूर्ण उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। एनएसएस की प्रथम एव द्वितीय इकाई प्रभारी डॉ सीमा देवी एवं डॉ. अपेक्षा तिवारी के निर्देशन में प्राचार्या एव प्राध्यापकों द्वारा पौधारोपण किया गया।समारोह का संचालन समारोह समिति प्रभारी डॉ. श्वेता सिंह द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम के आयोजन में समिति सदस्य डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ नीलम शर्मा और डॉ आज़ाद आलम ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया। राष्ट्रीय गौरव के इस पर्व पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारिगणों एवं एनसीसी कडेट्स तथा छात्राओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता प्रदान की ।

विदाई समारोह

महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के तत्वावधान में एम० एस० सी० बैच 2022 - 24 की छात्राओं के विदाई समारोह का आयोजन दिनांक 16 अगस्त 2024 को किया गया । आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था एम० एस० सी० बैच 2023 -2025 की छात्राओं द्वारा अत्यंत उत्साह के साथ की गयी। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या प्रो० (डॉ०) दिव्या नाथ जी की सहर्ष अनुमति के साथ किया गया। समारोह का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष विभाग प्रभारी प्रो० (डॉ०) दिनेश चंद शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर कु. नेहा द्वारा नृत्य प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सरस्वती वंदना की गयी । कार्यक्रम का संचालन साक्षी एवं रीता द्वारा किया गया। समारोह के दौरान दोनों बैच की छात्राओं ने पूर्ण उत्साह के साथ अनेक कार्यक्रम जैसे रैंप वॉक, गेम्स, लघु नाटिका, एकल व समूह नृत्य प्रस्तुत किये। बैच 2022 -2024 की छात्राओं ने महाविद्यालय में अपने सफर के बारे में यादें साझा की। सभी छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट स्वरुप प्रदान किया गया। शैली खारी को मिस फेयरवेल चुना गया। कार्यक्रम के अंत में प्रो० (डॉ०) दिनेश चंद शर्मा, श्रीमती नीतू सिंह एवं श्री अभिषेक ने सभी छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभाशीष प्रदान किया। आयोजन के दौरान डॉ० नेहा त्रिपाठी, डॉ० भावना यादव, डॉ० ऋचा, डॉ० अनुपम, डॉ० रीना रस्तोगी, डॉ० आज़ाद, डॉ० अज़मी नक़वी , सुश्री सुम्बुल ज़ेहरा एवं सुश्री सोफर, सुश्री काजल ने उपस्थित रहकर छात्राओं का मनोबल बढ़ाया तथा उनके द्वारा किए गए आयोजन की सराहना की।

राष्ट्रीय खेल दिवस

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनाँक 29 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में बैडमिंटन, खो-खो व कैरम प्रतियोगिता तथा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. धीरज कुमार ने राष्ट्रीय खेल दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को मनाया जाता है। इसे महान हॉकी के खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। ध्यानचंद जी ने भारत की हॉकी को पूरे विश्व में प्रसिद्ध कराया था। उन्होंने अपना उच्च प्रदर्शन दिखा कर भारत को ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया था।भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी के द्वारा पहचान इन्होंने ही दिलाई।इनकी प्रतिभा को सम्मानित करने के लिए ही भारत इनके जन्मदिवस को खेल दिवस के रूप में मनाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा खेल दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय खेल दिवस का विशेष महत्व है। इस दिन खेल आयोजन केवल एक दिन का समारोह नहीं है बल्कि देश भर में खेलों और खेलों की भावना को जागृत करने का आयोजन है । उत्सव का मतलब है कि इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालना और खेल के प्रति छात्राओं का ध्यान आकर्षित करना। इस तरह के दिवस युवा ऊर्जा को मान्यता देते हैं और विभिन्न खेलों के विषय में जागरूकता पैदा करते हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. परवेज शमीम का आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय रहा।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के मार्गदर्शन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 01 सितंबर से 07 सितंबर 2024 तक "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" (National Nutrition Week) का आयोजन किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की थीम थी- "सभी के लिए पौष्टिक आहार"। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गृह विज्ञान विषय की बी. ए. एवं एम. ए. की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।कार्यक्रम के अंतर्गत विभाग में विभिन्न प्रकार के विशेष आयोजन किए गए।

इस सप्ताह में होने वाले कार्यक्रमों का भव्य उद्घाटन प्रथम दिन के विशिष्ट व्याख्यान द्वारा किया गया जिसका विषय "PCOS, PCOD, and Nutritional Requirements" था जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या महोदया द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में अंक फाउंडेशन की को-फाउंडर श्रीमती ज्योति ज्योत्सना ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम को आकार प्रदान किया एवं डॉ. रीता मिश्रा, विषय विशेषज्ञ ने विस्तारपूर्वक PCOS के लक्षण, रोकथाम एवं उसमे पोषण की भूमिका पर प्रकाश डाला । प्रोग्राम का संचालन गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा द्वारा किया गया एवं विभाग की प्राध्यापिकाओं श्रीमती नीलम यादव, श्रीमती माधुरी पाल और श्रीमती मंजूषा राय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। यह परस्पर संवादात्मक सत्र (interactive session) छात्राओ के लिए अत्यंत लाभकारी रहा।

द्वितीय दिवस "स्लोगन लेखन" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। तृतीय दिवस सबके लिए "कुकिंग विद आउट फायर (Cooking without fire)" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की डिशेज बनाई। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा बनायी गई पोषक भोज्य सामग्री की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ एवं अन्य प्राध्यापिकाओं द्वारा इन डिशेज़ का परीक्षण कर विजयी छात्राओ परिणाम के बारे में निर्णय दिया। अगले दिन विभाग की सभी छात्राओं ने मिल कर पोषण की आवश्यकता और महत्व की जागरूकता के लिए " न्यूट्रीशन अवेटनेस रैली (Nutrition awareness rally)" में उत्साह से प्रतिभाग किया। इस रैली द्वारा विभाग की छात्राओ ने ग्राम बादलपुर में जा कर ग्रामीण लोगो तक पोषण की महत्ता की जानकारी को प्रसारित किया । पंचम दिवस छात्राओं के लिए पोषण जागरूकता हेतु "ऑनलाइन किविज" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। पोषण सप्ताह का समापन गृह विज्ञान की एम. ए. एवम बी. ए. की छात्राओं द्वारा बनाए गए पोस्टर के प्रेजेंटेशन एवं स्लोगन लेखन प्रेजेंटेशन के आयोजन द्वारा किया गया। इस साप्ताहिक आयोजन में विभाग के समस्त प्राध्यापक एवं विभाग की छात्राओं का बहुमूल्य योगदान रहा।

संस्कृत पखवाड़े का आयोजन

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा प्राचार्या प्रो (डॉ) दिव्या नाथ के संरक्षण में संस्कृत पखवाड़े का आयोजन किया गया। जिसका प्रारम्भ प्राचार्या के करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। संस्कृत पखवाड़े के अन्तर्गत दिनांक 13 अगस्त 2024 से लेकर आगे के विभिन्न दिनों में अनेकानेक संस्कृत प्रतियोगिताओं जैसे निबंध, पोस्टर, संस्कृत नृत्य एवं गीत , श्लोकोचारण,

नाटिका आदि का आयोजन किया गया ।इस क्रम में महाविद्यालय एवं वैश्विक संस्कृत मंच, मेरठ मंडल, उत्तर प्रदेश प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 16 अगस्त 2024 को किया गया। जिसका विषय नैतिक मूल्यों का ह्रास और भारतीय प्राच्य ज्ञान था ।

पखवाड़े के समापन समारोह में छात्राओं ने संस्कृत प्रदर्शनी लगाई ,जिसको देखकर प्राचार्या तथा महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक अत्याधिक प्रभावित हुए। प्राचार्या ने अपने उद्बोधन में संस्कृत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विभाग को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी । विभाग प्रभारी प्रो दीप्ति वाजपेयी ने संस्कृत में सर्वविध ज्ञान निहित है, इस विषय पर सूक्ष्म व्याख्यान दिया। डॉ. नीलम शर्मा नेसंस्कृत समसामयिकता पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम के अन्त में संस्कृत प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समारोह के समाप्ति पर डॉ कनकलता ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉ शिखा रानी द्वारा किया गया। इस प्रकार कार्यक्रम अपने उद्देश्य पूर्ति में पूर्णतः सफल हुआ।

संस्कृत विभाग द्वारा एकदिवसीय राष्ट्रीय ई संगोष्ठी का आयोजन

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के निर्देशन में महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा राष्ट्रीय ई संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ई संगोष्ठी का प्रारंभ प्राचार्य उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि किस प्रकार संस्कृत विषय वैश्विक स्तर पर अपनी प्रासंगिकता को बनाए हुए हैं। समाज में जिस प्रकार नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। उसका उपचार भारतीय प्राच्य ज्ञान में ही निहित है। महाभारत के यक्ष युधिष्ठिर संवाद प्रकरण में उसके विभिन्न उपाय बताए गए हैं, जिसे समाज को सही दिशा दिखाई जा सके। उक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट व्याख्यान का विषय "नैतिक मूल्यों का ह्रास और भारतीय प्राच्य ज्ञान: यक्ष- युधिष्ठिर संवाद के आलोक में" था। जिसके मुख्य वक्ता डॉ. धर्मेंद्र गुप्त, प्राचार्य ,महामाया राजकीय महाविद्यालय श्रावस्ती रहे। डॉ. धर्मेंद्र ने नैतिक मूल्यों के ह्रास के कारण तथा संस्कृत विषय के विभिन्न ग्रन्थों में वर्णित नैतिक मूल्य की प्रतिस्थापन के इकाइयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया महाभारत के एक छोटे से प्रकरण यक्ष युधिष्ठिर संवाद में युधिष्ठिर ने किस प्रकार कुशलतापूर्वक यक्ष के प्रश्नों का उत्तर दिया जो पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। इसी के साथ उन्होंने जीवन के उपयोगी नैतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिसे छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ श्रवण करते हुए आत्मसात किया तथा अन्य कई प्रश्नों का समाधान भी प्राप्त किया। इसी क्रम में विभाग प्रभारी प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने भी नैतिक मूल्यों की प्रासंगिकता एवं जीवन में उसके उपयोग पर बल देते हुए नैतिकता के मूल मंत्र पर अपने विचार व्यक्त किए । कार्यक्रम के आखिरी सत्र में वैश्विक संस्कृत मंच मेरठ मंडल के उत्तर प्रदेश प्रांत के परामर्शदाता डॉ चंद्र किशोर शास्त्री ने भी विशिष्ट व्याख्यान के मूल सार को बड़े ही गहनता एवं बारीकियां के साथ अपने विचारों के साथ व्यक्त किया, साथ ही छात्रों को नैतिक मूल्यों की ओर अभिप्रेरित होने की प्रेरणा भी दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. नीलम शर्मा द्वारा किया गया तथा मंगलाचरण डॉ. शिखा रानी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कनकलता द्वारा किया गया। उक्त राष्ट्रीय ई संगोष्ठी में महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

शिक्षक दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में शिक्षक-शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 5 सितंबर 2024 को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में भव्य रूप से मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ) दिव्या नाथ ने माँ सरस्वती एवं राधाकृष्णन जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बी. एड. विभाग की छात्राओं द्वारा प्राचार्य एवं विभिन्न संकाय के सभी शिक्षकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो० दिव्यानाथ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में आज भी शिक्षकों को सम्मानित स्थान प्राप्त है। साहित्य में तो शिक्षक को ईश्वर से भी ऊपर माना गया है। अतः एक शिक्षक को अपनी आदर्श भूमिका निभाने के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर छात्राओं ने गुरू की महिमा का वर्णन करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षक शिक्षा विभाग के सभी प्राध्यापकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

दिनांक 24 अगस्त, 2024 को महाविद्यालय के विज्ञान संकाय, संस्कृत विभाग, भूगोल विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा अमृत उद्यान, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्वक्षमता, राष्ट्रप्रेम और उत्तम नागरिक के गुणों का विकास करना था। छात्राओं ने वहां विभिन्न पौधों की प्रजातियों, उनकी विशेषताओं से परिचित प्राप्त किया और विभिन्न वनस्पति और बागवानी पहलुओं के बारे में व्यावहारिक ज्ञान और जानकारी अर्जित की । स्नातक और स्नातकोत्तर की छात्राओं ने संबंधित विभाग के प्राध्यापकों प्रो. डी.सी. शर्मा, प्रो. दीप्ति वाजपेयी,डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ मीनाक्षी लोहनी, डॉ नीलम शर्मा, श्रीमती नीतू सिंह, डॉ. ऋचा, डॉ विनीता सिंह, डॉ. अभिषेक एवं डॉ. रीना रस्तोगी के साथ में यह भ्रमण किया। अमृत उद्यान में शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्राओं ने विभिन्न पौधों की प्रजातियों जैसे कोलियस, सेलोसिया, ट्यूबरोज़, ट्यूलिप, रोजा, डहलिया, मैरीगोल्ड्स, एशियाई, लिली, डैफोडिल्स, हाइसिंटस, सदाभार, ऑर्किड आदि को देखा और रिकॉर्ड किया। इन शानदार पौधों के अलावा छात्राओं ने अमृत उद्यान में हर्बल गार्डन, म्यूजिकल गार्डन, आध्यात्मिक उद्यान, पानी के फव्वारे और कृत्रिम झीलों जैसे कई अन्य दिलचस्प, ज्ञानवर्धक और देखने लायक स्थानों का भी दौरा किया। अमृत उद्यान का शैक्षिक भ्रमण अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने और छात्राओं को मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने में सफल रहा।

हिंदी सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 9 सितंबर 2024 से 14 सितंबर 2024 तक हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 9 सितंबर को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसके प्रचार एवं प्रसार को अपनी लेखनी द्वारा प्रस्तुत किया। दिनांक 10 सितंबर 2024 को'हिंदी साहित्य दीर्घा'का

उद्घाटन प्रो.(डॉ.) नवीन चंद लोहनी,विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग, चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ द्वारा किया गया। तत्पश्चात हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) रश्मि कुमारी की पुस्तक का विमोचन महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.)दिव्या नाथ,प्रो. (डॉ.)नवीन चंद लोहनी एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा किया गया। इसके साथ ही प्रो. (डॉ.)नवीन चंद्र लोहनी द्वारा 'हिंदी भाषा के विकास और विदेशों में हिंदी की स्थिति' पर एक सारगर्भित व्याख्यान दिया जिसमें महाविद्यालय की छात्राएं लाभान्वित हुई। दिनांक 11 सितंबर को प्रो.(डॉ.)विमलेंदु,हिंदू कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।साथ ही प्रो.(डॉ.) इंदु कुमारी ,माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भी हिंदी में रोजगार के अवसर पर अति महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया जिससे महाविद्यालय की अनेक छात्राएं लाभान्वित हुईं। दिनांक 12 सितंबर को डॉ. श्वेता शर्मा असि.प्रो.इतिहास,मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय,गाजियाबाद,ने 'हिंदी साहित्य एवं इतिहास का अंतर्संबंध' विषय पर व्याख्यान दिया। इसी के साथ निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'हिंदी भाषा की वर्तमान चुनौतियां' इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया।दिनांक 13 सितंबर 2024 को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें

महाविद्यालय की छात्राओं ने सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। दिनांक 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर गीत गजल और भजन की संगीतमय प्रस्तुति ने महाविद्यालय के वातावरण को स्वयं में आत्मसात कर लिया। रेख्ता कलाकारों द्वारा गजल गायन किया गया। गजल गायक सनम खान,सितार वादक मोबीन खान,एवं तबला वादक खुर्रम अली नियाजी द्वारा बहुत ही शानदार प्रस्तुति दी गई । इन समस्त कार्यक्रमों को कराने में हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) रश्मि डॉ. नीरज कुमार,डॉ.बॉबी यादव एवं डॉ.मिंतू का सराहनीय योगदान रहा।प्रो.(डॉ.)रश्मि कुमारी के विशेष प्रयासों से हिंदी विभाग अपने लक्ष्य को पूर्ण करने में सफल रहा।महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ ने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों एवं व्याख्यानों की भूरि भूरि प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत आवश्यक है।इन समस्त कार्यक्रमों में हिंदी विभाग के प्राध्यापकों के अतिरिक्त महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का सहयोग भी सराहनीय रहा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान

महाविद्यालय द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान को गति प्रदान करते हुए दिनांक 17 सितंबर 2024 को एक दिवसीय वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं छात्राओं ने अपने घर में मां के नाम से एक - एक पौधा /पेड़ रोपित किया। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम" अभियान की शुरुआत की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है। उल्लेखनीय है कि जून माह में भी महाविद्यालय द्वारा यह मुहिम चलाई गई थी । वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो.(डॉ.) दिव्या नाथ जी के दिशा निर्देशन में डॉ. बॉबी यादव एवं डॉ. रमाकांति द्वारा संपन्न किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने छात्राओं को वृक्षारोपण हेतु प्रोत्साहित किया । सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

"स्वच्छता ही सेवा" अभियान

दिनांक 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक चलने वाले 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत अंतिम दिवस को "स्वच्छ भारत , स्वस्थ भारत" दिवस के रूप में मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं ने सलाहकार समिति डॉ. विनीता सिंह ,डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ. नीलम शर्मा ,डॉ. मिंतु एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा देवी एवं डॉ. अपेक्षा तिवारी के निर्देशन में महाविद्यालय में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके अंतर्गत सिंगल यूज़ प्लास्टिक को एक स्थान पर एकत्रित कर उसका निस्तारण किया गया एवं स्वच्छता रैली का आयोजन कर जन सामान्य के मध्य स्वच्छता का संदेश दिया गया। छात्राओं ने रैली में बढ़ चढ़कर नारे लगाते हुए सभी को जागरुक करते हुए कहा कि "हम सब ने यह ठाना है ,भारत को स्वच्छ बनाना है, "तथा स्वच्छ भारत से ही बनता स्वस्थ भारत" तत्पश्चात सड़क सुरक्षा समिति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों एवं प्राचार्या महोदया के संरक्षण में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली, एवं शपथ का भी आयोजन किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया एवं भविष्य में भी परिसर को स्वच्छ रखने की शपथ ली ।उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त सम्मानित प्राध्यापक डॉ रश्मि कुमारी, डॉ ममता सागर, डॉ किशोर कुमार, डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ आशा रानी, डॉ निधि रायजादा , डॉ ममता उपाध्याय, डॉ अनीता सिंह, डॉ अरविन्द यादव एवं,राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के समस्त सम्मानित सदस्यों डॉ माधुरी पाल ,डॉ कनक लता यादव, डॉ शालिनी तिवारी , डॉ निशा, डॉ बबली डॉ कविता वर्मा, डॉ शिखा एवं समारोहिका डॉ श्वेता सिंह का पूर्ण सहयोग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं एवं छात्राओं का योगदान सराहनीय रहा।

दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 18 सितंबर 2024 को महाविद्यालय में नव प्रवेशित स्नातक (बीए, बीएससी तथा बीकॉम) प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए प्राचार्य महोदया प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के निर्देशन में कार्यक्रम संयोजिका प्रो. (डॉ) आशा रानी ने समिति के सहयोग से दीक्षारंभ (अभिविन्यास) कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर प्राचार्या महोदय तथा अन्य गणमान्य प्राध्यापकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित तथा माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. (डॉ.) रश्मि , मुख्य शास्ता द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने समस्त छात्राओं को महाविद्यालय में अनुशासन से रहने के लिए प्रेरित किया तथा महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रमों तथा संचालित समितियां के विषय में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने एंटी रैगिंग, महिला उत्पीड़न तथा महिला प्रकोष्ठ समिति से अवगत कराते हुए साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद, छात्रवृत्ति, एनसीसी, एनएसएस, रेंजर्स, महाविद्यालय पत्रिका तथा विभिन्न विषय विभागों और उनके संबंधित प्राध्यापक आदि से परिचय कराया। कार्यक्रम की इस श्रृंखला में प्रो. (डॉ) दिनेश शर्मा ने नैशनल एजुकेशन पॉलिसी पर विस्तार से प्रकाश डाला और उससे लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नीतू सिंह द्वारा विज्ञान संकाय तथा डॉ. अरविंद कुमार यादव द्वारा वाणिज्य संकाय की नवप्रवेशित छात्राओं को उनके विषय से संबंधित विस्तार से जानकारियां प्रदान की गई । प्राचार्या महोदया ने अपने आशीर्वचन के रूप में महाविद्यालय जीवन की स्वतंत्रता का सदुपयोग कर लाभ पाने के लिए छात्राओं को प्रेरित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं दी। अंत में डॉ अरविंद कुमार यादव ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस संपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में बी. ए. प्रथम वर्ष प्रवेश समिति के संयोजक डॉ कनक कुमार, तथा सदस्यों डॉ परवेश शमीम, डॉ मिंटू, डॉ शालिनी तिवारी, डॉ कविता वर्मा, डॉ अनीता, श्री गजेंद्र, डॉ ज्ञानेंद्र सिंह, डॉ वसंत कुमार तथा बीएससी प्रथम वर्ष प्रवेश समिति की संयोजिका डॉ नीतू सिंह तथा सदस्य डॉ रिचा, डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ अनुपम स्वामी, डॉ रीना रस्तोगी, डॉ अभिषेक और बीकॉम प्रथम वर्ष प्रवेश समिति के संयोजक डॉ अरविंद कुमार यादव और सदस्य डॉ मनी अरोड़ा का सराहनीय योगदान रहा। इस प्रकार उक्त कार्यक्रम अपने उद्देश्य में सफल रहा। कार्यक्रम के अंत में बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार द्वारा प्राचार्य के कर कमलों से अपनी पुस्तक का भी विमोचन भी कराया गया।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

दिनांक 21 सितंबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर, कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में तथा प्रो. (डॉ.) आशा रानी (विभाग अध्यक्ष)के निर्देशन में इतिहास विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो.(डॉ.) निधि रायजादा ने मानसिक शांति की प्राप्ति हेतु ललित कलाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए ,भजन, लोकगीत एवं गजल के माध्यम से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ ने अपने संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री अरविंद सिंह ने भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक शांति की अवधारणा पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही समकालीन संदर्भ में वैश्विक शांति एवं सद्भाव हेतु आवश्यक नीतियों पर बल दिया । श्री बसंत कुमार ने अपने वक्तव्य में मानसिक शांति की प्राप्ति हेतु संतुलित आचार विचार की आवश्यकता बताई। परास्नातक (इतिहास) द्वितीय वर्ष की छात्राओं- ज्योति,सृष्टि, खुशी नागर एवं काजल पाल ने विषय पर अपने विचार साझा किए । कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक शांति की प्राप्ति हेतु मानसिक तनाव से मुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निधि रायजादा द्वारा किया गया । इस अवसर पर इतिहास प्रोफेसर डॉ. अनीता सिंह सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापक गण एवं छात्राएं उपस्थित रही।

दीन दयाल उपाध्याय जयंती

दिनांक 25 सितंबर 2024 को कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में समारोह समिति द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर इन महान विभूति की तस्वीर पर माल्यार्पण कर महानायक की स्मृतियों को जीवंत किया गया । इसके उपरांत छात्राओं को दीन दयाल उपाध्याय जी के विचारों से अवगत कराया गया । पंडित दीन दयाल उपाध्याय समाज के निचले स्तर के मानवों को भी सबके समान लाना चाहते थे। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए एकात्म मानववाद की विचारधारा दी। उन्हें जनसंघ की आर्थिक नीति का रचनाकार माना जाता है। उनका विचार था कि आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख है। भारत में रहने वाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन हैं। छात्राओं को उनके जीवन दर्शन से परिचित कराते हुए पंडित दीन दयाल उपाध्याय को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई ।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्रायें उपस्थित रही ।

तरुण सभा का आयोजन

दिनांक 26 सितंबर 2024 को महाविद्यालय मे संसदीय कार्य मंत्रालय की राष्ट्रीय युवा संसद योजना के अंतर्गत गठित 'तरुण सभा' का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. डॉ. दिव्या नाथ ने दीप प्रज्वलित कर तरुण सभा का उद्घाटन किया । शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य महोदया ने युवाओं से भारत के संसदीय लोकतंत्र की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की अपील की । विशिष्ट अतिथि के रूप मे मौजूद डॉ. पूजा रानी ,संचालिका - तरुणी विभाग - राष्ट्र सेवा समिति, गौतमबुद्ध नगर ने छात्राओं को आत्मविश्वास एवं आत्मरक्षा के गुणों के साथ सार्वजनिक जीवन मे भाग लेने हेतु प्रेरित किया । कार्यक्रम का संचालन करते हुए तरुण सभा की नोडल अधिकारी प्रो. ममता उपध्याय ने तरुण सभा के गठन एवं कार्य संचालन संबंधी नियमों से अवगत कराया एवं भारत को वैश्विक नेतृत्व हेतु तैयार करने तथा आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत के संकल्प को क्रियान्वित करने का आह्वान दिया । इस अवसर पर तरुण सभा के सदस्यों ने लोक सभा की कार्यवाही के महत्वपूर्ण पक्षों - शपथ ग्रहण , प्रश्न काल , ध्यानाकर्षण प्रस्ताव , बिल पर चर्चा,विदेशी राजनयिकों का स्वागत आदि के साथ अत्यंत प्रभावी ,सुरुचिपूर्ण एवं मनोरंजक तरीके से संसद की कार्यवाही का मंचन किया । दर्शक दीर्घा मे मौजूद महाविद्यालय के प्राध्यापकों - प्रो. निधि रायज़ादा , प्रो. अनीता सिंह , डॉ . श्वेता ,डॉ . अपेक्षा तिवारी , श्री अरविन्द सिंह ने अपनी उपस्थिति से छात्राओं का उत्साहवर्धन किया । कार्यक्रम का आयोजन राजनीति विज्ञान विभाग के सौजन्य से किया गया जिसमे छात्र समन्वयक के रूप मे श्री हरीश कुमार ,श्री शशांक त्रिपाठी , श्री शशांक आनंद ,कु . मनीषा , कु. प्रीति , कु. डेज़ी, श्री बाबूलाल,श्री अरविन्द यादव एवं श्री मोहित यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही । कार्यक्रम के अंत मे श्री हरीश कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया ।

तंबाकू नियंत्रण अभियान

दिनांक 26 सितंबर 2024 को महाविध्यालय में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण अभियान के तहत महाविध्यालय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा एक आंसू भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने पूर्ण मनोयोग के साथ प्रतिभाग किया।
कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग की प्रभारी प्रोफेसर रश्मि कुमारी जी के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य तंबाकू उत्पादों के उपयोग को नियंत्रित करना और तंबाकू से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को कम करना है। यह अभियान 2007-08 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(Ministry of Health and Family Welfare) द्वारा शुरू किया गया था। इसका लक्ष्य तंबाकू के उपयोग को कम करके जनसंख्या को तंबाकू के कारण होने वाले रोगों से बचाना है, जैसे कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग, आदि। इस आंसू भाषण प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने तंबाकू के सार्वजनिक स्थानों पर सेवन और तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, प्रायोजन और प्रचार पर प्रतिबंध, तंबाकू छोड़ने के लिए समर्पित हॉटलाइन (Quitline), मोबाइल ऐप्स, और परामर्श केंद्रों की स्थापना, लोगों को तंबाकू के खतरों के बारे में साक्ष्यों पर आधारित जानकारी देना और उनके व्यवहार को बदलने के लिए प्रेरित करना इस बात पर ज़ोर दिया ।कार्यक्रम में नीलांशी शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया दूसरा स्थान साक्षी तंवर को मिला तथा तीसरा स्थान मेघा को मिला।
महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ0) दिव्या नाथ जी ने छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर सभी का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम का संचालन बी0एड0 विभाग के प्रभारी डॉ0 संजीव कुमार द्वारा किया गया।धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग की प्रभारी प्रोफेसर (डॉ0) आशा रानी जी के द्वारा किया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय की तम्बाकू नियंत्रण कमेटी तथा प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

'स्वच्छता ही सेवा ' पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 30 सितंबर 2024 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं ने प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ अपेक्षा तिवारी एवं समिति के समस्त सदस्यों के सहयोग से भाषण प्रतियोगिता जिसका विषय "आत्मनिर्भर भारत" का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर डॉ. किशोर कुमार इतिहास विभाग रहे। अपने वक्तव्य में उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के बारे में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी देते हुए कहा कि विकसित देशों को आत्मनिर्भर बनाने में भारतीय बुद्धि का हमेशा ही योगदान रहा है ,अतः अपने इस बुद्धि बल का प्रयोग हम अपने भारत को आत्मनिर्भर बनाने में करेंगे और विकसित देशों की श्रृंखला में अग्रणी रहेंगे। उक्त कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की गरिमामयी भूमिका का निर्वहन प्रोफेसर डॉ. दीप्ति वाजपेयी (संस्कृत विभाग), प्रोफेसर डॉ. निधि रायजादा (इतिहास विभाग), प्रोफेसर डॉ अनीता सिंह (इतिहास विभाग) ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ विनीता सिंह, डॉ नीलम शर्मा एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ अपेक्षा तिवारी के कुशल निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व स्वयंसेवी हरीश कुमार ,स्वयं सेविकाओं एवं समस्त प्राध्यापकों के पूर्ण सहयोग से किया गया।

कल्चरल क्लब "नवरंग" के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतम बुद्ध नगर में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ के अनुदान के अंतर्गत अद्भुत भारतीय सांस्कृतिक विरासत को छात्राओं एवं जन समुदाय तक संप्रेषित करने एवं अपनी संस्कृति, भाषा और कला के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में नवरंग कल्चरल क्लब का गठन किया गया। क्लचरल क्लब के माध्यम से भारतीय संस्कृति , भाषा एवं कला के उन्नयन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । जिसके अंतर्गत भारतीय संस्कृति की ऐतिहासिक विरासत को प्रस्तुत करने वाली सुंदर सांस्कृतिक झांकी, भारत की विदुषी और महान महिलाओं जैसे कि अपाला, घोषा, गार्गी, विद्योतमा लोपामुद्रा, मैत्रेयी, अरुंधति एवं सीता आदि के उत्कृष्ट चरित्र , सूक्ष्म ज्ञान चिंतन और दर्शन पर विशिष्ट चर्चा, जाने माने रेख्ता कलाकारों ग़ज़ल गायन सनम खान, सितार वादक मुबीन खान एवं तबला वादक खुर्रम अली नियाज़ी द्वारा गीत, गजल एवं भजन की संगीतमय प्रस्तुति, "जल बचाओ कल बचाओ" विषय पर पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता तथा पुरस्कार वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। कल्चरल क्लब के अन्तर्गत आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर डॉ दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन एवं कल्चरल क्लब इंचार्ज प्रोफेसर डॉ रश्मि कुमारी के मार्गदर्शन में कल्चरल क्लब के समस्त पदाधिकारी प्रोफेसर डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ बबली अरुण, डॉ नीलम शर्मा, डॉ मणि अरोड़ा , डॉ शालिनी तिवारी एवं डॉ सोनम शर्मा के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किए गए ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर की विविध गतिविधियां

महाविद्यालय में संचालित एन.सी.सी इकाई द्वारा लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहानी के नेतृत्व तथा प्राचार्या प्रोफ़ेसर डॉ. दिव्या नाथ सहित 13 गर्ल्स यू.पी. एन.सी.सी बटालियन,गाज़ियाबाद के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल कुशवीर नंदा के निर्देशन में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिनाँक 21 जून 2024 को 13 गर्ल्स (यू.पी.) एन.सी.सी बटालियन, गाज़ियाबाद द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में डॉ.विनीता सिंह ने चक्रीय अर्थव्यवस्था (7Rs; Rethink, Refuse, Reduce, Reuse, Repair, Regift, Recycle) पर व्याख्यान दिया जिसमें समस्त कैडेट्स द्वारा सहभागिता की गई।दिनाँक 20 जुलाई 2024 को वृक्षारोपण अभियान के तहत कैडेट्स द्वारा महाविद्यालय परिसर सहित आस पास के क्षेत्रों में पौधे रोपित किये गए जिसका उद्देश्य परिसर में हरित आवरण को बढ़ाकर पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देकर पारिस्थितिक जागरूकता को बढ़ावा देना और कैडेट्स को सार्थक पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों में शामिल करना होता है। दिनाँक 22 जुलाई 2024 को 13 गर्ल्स (यू.पी.)

एन.सी.सी बटालियन, गाज़ियाबाद में आयोजित कार्यक्रम में सी-सर्टिफिकेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली महाविद्यालय की एन.सी.सी. कैडेट्स को प्रमाणपत्र प्रदान किये गए। दिनाँक 24 जुलाई 2024 को 13 गर्ल्स (यू.पी.) एन.सी.सी बटालियन, गाज़ियाबाद द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में डॉ.संजीव कुमार द्वारा सीखो और कमाओ सहित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के उद्देश्य और आयामों पर व्याख्यान दिया गया जिसमें समस्त कैडेट्स द्वारा सहभागिता की गई। 26 जुलाई 2024 को 25 वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एन.सी.सी इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. संजीव कुमार द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसमें समस्त कैडेट्स द्वारा सहभागिता की गयी। संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार के सौजन्य से अमृत महोत्सव की श्रृंखला में आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के तहत दिनाँक 15 अगस्त 2024 को महाविद्यालय की एन.सी.सी कैडेट्स द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। महाविद्यालय की एन.सी.सी इकाई में सम्मलित होने हेतु दिनाँक 11 सितम्बर, 2024 को नामांकन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक विभाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया ।महाविद्यालय की एन.सी.सी कैडेट कु. पिंकी ने दिनाँक 17 सितम्बर, 2024 से 28 सितम्बर, 2024 तक झाँसी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत राष्ट्रीय शिविर में प्रतिभाग किया।

करियर काउंसलिंग की गतिविधियां

करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में दिनांक 12 सितंबर 2024 को मेधा ग्रुप की ओर से "स्वारंभ " नाम से शुरू होने वाले प्रोग्राम के लिए छात्राओ हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम (Orientation Program) आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम की रूपरेखा मेधा ग्रुप की मैनेजर सुश्री सौम्या द्वारा विस्तार से छात्राओ के समक्ष पेश की गई। छात्राओ ने इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिये उसी दिन अपना रजिस्ट्रेशन भी करवाया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति सह प्रभारी डॉ. श्वेता सिंह ने छात्राओ को करियर संबंधी कोर्स के लाभ से अवगत कराया । इस स्वारंभ कार्यक्रम की कक्षायें दिनांक 27 सितंबर से प्रारंभ हो गई हैं, जिसमे मुख्यतः स्व रोज़गार के अवसर में सहायता, freelancing opportunities के बारे में जानकारी इत्यादि से छात्राओ को उद्यमिता एवं कौशल विकास हेतु प्रोत्साहित किया जाता है । इस कोर्स में लगभग 70 छात्राओ ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। निश्चित तौर पर स्वारंभ प्रोग्राम पूर्ण करने के बाद स्वरोज़गार के बारे में छात्राओ की सोच को नयी दिशा मिलेगी ।

भाषा प्रयोगशाला एवं व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के कार्यक्रम

language lab & personality cell के तत्वावधान में "Basic Concepts of English Phonetics"विषय पर दिनांक 18 सितंबर 2024 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने अंग्रेजी भाषा की मूल ध्वनियों के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए । छात्राओं ने ऑर्गन्स ऑफ़ स्पीच ,वॉवल्स, कॉन्सोनेंट्स इत्यादि विषयों पर अपने लेख प्रस्तुत किए । कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भाषा की तकनीकियों का ज्ञान प्रदान कर उनके उच्चारण स्तर में सुधार लाना था। कार्यशाला के आयोजन में डॉ. मिंतु, डॉ. नीलम शर्मा एव डॉ. शिखा का योगदान सराहनीय रहा । कार्यशाला का संचालन, समिति प्रभारी डॉ श्वेता सिंह के द्वारा किया गया । इसके अतिरिक्त language lab & personality cell के तत्वावधान में "Computer and writing skills in English " विषय पर दिनांक 26 सितंबर 2024 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया , जिसमें छात्राओं को कंप्यूटर में एक्सेल शीट में कार्य करने के विषय में जानकारी दी गई एवं ऑनलाइन लेखन के विभिन्न रूपों पर भी प्रकाश डाला गया । यह कार्यशाला विशेषतः बी. ए की नव प्रवेशित छात्राओं के लिए आयोजित की गई । छात्राओं ने तन्मयता के साथ इस कार्यशाला में प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संचालन, समिति प्रभारी डॉ श्वेता सिंह के द्वारा किया गया ।

इन्नोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में विविध कार्यक्रम आयोजित

महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर दिव्या नाथ की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में केएमजीजीपीजीसी इन्नोवेशन काउंसिल द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। 23 जुलाई 2024 को बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी गौतम बुध नगर के अटल इनक्यूबेशन सेंटर का दौरा आयोजित किया। इस दौरान कालेज के 16 छात्राओं और 6 फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया। अटल इनक्यूबेशन सेंटर के उपनिदेशक श्री मृणाल सिंह ठाकुर ने इनक्यूबेशन सेंटर की भूमिका को समझाया । उन्होंने स्टार्टअप स्थापित करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की ।

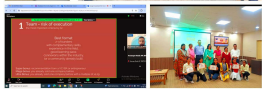

नवाचार परिषद ने बीआईएमटेक ग्रेटर नोएडा के साथ मिलकर दो ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया। एक ऑनलाइन कार्यशाला टॉपिक "Angel investment /VC funding opportunities for early stage entrepreneurs" 02 अगस्त 2024 को आयोजित की गई। इसके मुख्य वक्ता श्री मृणाल सिंह ठाकुर ,मार्केटिंग मैनेजर थे । इस सत्र में रणनीतिक वित्तीय योजना की मेहता पर जोर दिया गया है,जिसमें प्रभावी बजट बनाने और पूर्वानुमान लगाने के महत्व को उजागर किया गया और दूसरी 29 अगस्त 2024की कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री मनीष सिंह असिस्टेंट मैनेजर AIC बीआईएमटेक, ग्रेटर नोएडा थे ।इस कार्यशाला का टॉपिक था 'Accelerators incubation opportunities for students and faculties early stage entrepreneurs' उन्होंने इनक्यूबेशन केंद्रों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया जो मेंटरशिप नेटवर्किंग और निवेशकों तक पहुंच प्रदान करते हैं और शैक्षणिक कॉरपोरेट और सरकारी इनक्यूबेटर के बीच अंतर स्पष्ट किया। 30 सितंबर 2024 को "इनोवेशन एंटरप्रेन्योरशिप और आत्मनिर्भर भारत" पर एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें रिया नागर बी. ए. पंचम सेमेस्टर - प्रथम स्थान, दुर्गा मिश्रा बीए तृतीय सेमेस्टर-द्वितीय स्थान, खुशी नागर बी.ए. पंचम सेमेस्टर तृतीय स्थान व संजना बी.ए. पंचम सेमेस्टर को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवाचार परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा व सभी सदस्यों का उत्कृष्ट योगदान रहा।

बी.वॉक. विभाग में हुई विभिन्न गतिविधियां

महाविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन संकाय में दिनांक 07 सितम्बर 2024 को छात्राओं के लिए राष्ट्रपति भवन अमृत उद्यान का एकदिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया और

बी. वॉक (MLT and ATHM) की छात्राओं ने संकाय सदस्यों के साथ यात्रा में भाग लिया। अमृत उद्यान, राष्ट्रपति भवन में स्थित एक खूबसूरत गार्डन है। यह कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इसे राष्ट्रपति भवन बनाने वाले आर्किटेक्ट एडविन लुटियंस ने डिज़ाइन किया था।

यहां कई तरह के फूल देखने को मिलते हैं, जिनमें गुलाब की करीब 138 प्रजातियां हैं।यहां बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया उद्यान है, जिसे बाल वाटिका कहते हैं। भारत की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान कर दिया गया था।बी. वॉक (MLT and ATHM) की छात्राओं ने नव प्रवेशित छात्राओं के लिए Fresher Party का आयोजन किया जिसमे सीनियर और जूनियर छात्राओं ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया और जूनियर के प्रदर्शन के आधार पर Miss Fresher का चयन किया गया। सितम्बर माह में विद्यालय में Govt of Uttar Pradesh द्वारा दिए जाने वाले मोबाइल फ़ोन का वितरण सभी फाइनल ईयर और 2nd ईयर की छात्राओं को किया गया।चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ के 36 वें दीक्षांत समारोह में B.Voc. (MLT) की छात्रा चेतना और B.Voc. (ATHM) की छात्रा दीपिका नगर ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया जो महाविद्यालय के लिए हर्ष का विषय है।

टेबलेट/ स्मार्टफोन वितरण

उत्तर प्रदेश में अध्ययनरत युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरण योजना 2021-22 के अन्तर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातकोत्तर की छात्राओ हेतु दिनांक 6 अगस्त 24 को प्रशासन द्वारा 222 टेबलेट्स (Tablets) प्रदान किए गए ,जो कि महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा कॉलेज के 10 PG विभागों की छात्राओ को प्रदान किए गए । इसके उपरांत दिनांक 10 सितंबर 24 को प्रशासन द्वारा 1186 स्मार्टफोन प्रदान किए गए जो कि महाविद्यालय की BA, BSc, BCom, BVoc, BEd (स्नातक स्तर) की छात्राओ को वितरित किए गए । छात्राएं स्मार्ट फोन पाकर अत्यधिक प्रसन्न थी । उन्होंने कहा कि यह स्मार्ट फोन उनके अध्ययन में सहयोगी बनेगा क्योंकि बहुत सारा ई कंटेंट और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री इसकी सहायता से अब उन्हें अध्ययन हेतु उपलब्ध होगी ।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विविध कार्यक्रम

महाविद्यालय शिक्षक शिक्षा विभाग में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । दिनांक 13 जुलाई 2024 को बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं हेतु विदाई समारोह का आयोजन किया गया। दिनांक 22 जुलाई 2024 एवं 23 जुलाई 2024 को बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न हुई। दिनांक 9 अगस्त 2024 एवं दिनांक 10 अगस्त 2024 को बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न हुई। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा काउंसलिंग के माध्यम से दिनांक 22 अगस्त 2024 से बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं का प्रवेश प्रारंभ हुआ। कुल 64 छात्राओं ने बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया । बी.एड. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा दिनांक 5 सितंबर 2024 को महाविद्यालय स्तर पर शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

महिला प्रकोष्ठ के विविध कार्यक्रम

महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ एवं महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. आशा रानी के निर्देशन में जुलाई माह में महिलाओं एवं छात्रओ की समस्याओं का समाधान करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. सोनम शर्मा ने छात्रों को जागरूक किया।

अगस्त माह में स्लोगन लेखन के माध्यम से छात्राओं को 1090,112, 108 आदि हेल्पलाइन नंबर के बारे में बता कर नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया गया । सितंबर माह में महिला प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में प्राचार्या महोदया की अध्यक्षता एवं प्रभारी डॉ. आशा रानी के दिशा निर्देशन में "आत्मनिर्भर महिलाएँ" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. ममता सागर ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि अगर हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है, तो हम अपने निर्णय लेने में भी सक्षम होते हैं। डॉ. विनीता सिंह ने कहा कि हमें अपना निर्णय स्वयं लेना चाहिए, जिससे हम अपने घर एवं समाज में अपने आप को सशक्त बना सकें, साथ ही साथ डॉ. आशा रानी ने कहा कि स्त्री भगवान की बहुत खूबसूरत कृति है, वह जितनी कोमल है उतनी कठोर भी है। देश की प्रगति में उसका बहुमूल्य योगदान है। डॉ. रमाकांति ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में डॉ. सोनम शर्मा , डॉ. माधुरी पाल, डॉ. अनुपम स्वामी आदि ने अपना बहुमूल्य योग्यदान दिया।

विभिन्न विभागों में पीएचडी वायवा संपन्न

महाविद्यालय के इतिहास विभाग में प्रोफेसर डॉ. निधि रायजादा के निर्देशन में 10 जुलाई 2024 को शोधार्थी रंजय प्रसाद का फाइनल पीएच. डी. वायवा संपन्न हुआ। उनके शोध का विषय "हिंदी स्वराज एवं गांधी दर्शन: एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अध्ययन" था तथा डॉ राजेश कुमार आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय बाह्य परीक्षक रहे। इसी क्रम में 27/07/2024 को श्री भूपेन्द्र नागर का प्री. पीएच. डी. वायवा संपन्न हुआ। इनका शोध का विषय" रामचंद्र विकल्प:व्यक्तित्व एवं कृतित्व" है।इसके अतिरिक्त 8 जुलाई को अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ श्वेता सिंह के निर्देशन में श्री जगत का पीएचडी वायवा संपन्न हुआ । भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मीनाक्षी लोहनी के निर्देशन में दिनांक 15 जुलाई को श्री ओम प्रकाश का पीएचडी वायवा संपन्न हुआ ।

KMGCPGC
स्थापना वर्ष-1997
Vol.7/ Issue 1/July 2024-Sept. 2024

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा

छात्रा संपादिका
कु. गौरी सिंह, एम.ए प्रथम वर्ष
कु. ज्योति , एम.ए द्वितीय वर्ष

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)